ईडीः लूट के धन के लिए बना काल

औरंगजेब विवादः फिर उभर आईं दरारें

महाबोधि मंदिरः नियम और नियंत्रण पर बढ़ता बखेड़ा

2 अप्रैल, 2025 60 रुपए

इंडिया टुडे

gdb

सकल घरेलू व्यवहार

भारत के जीडीबी की थाह

अपनी तरह के इस पहले सर्वे ने भारतीयों की रोजमर्रा की आदतों और सामाजिक आचार-व्यवहार के बारे में किए कई चौंकाने वाले खुलासे

RNI NO. 45823/1986 REGISTRATION NO. DL(OS)-02/MP/2025-26-27, DL(ND)-11/6042/2024-25-26, LICENSED TO POST WPP NO U(C)-31/2024-26, FARIDABAD/46/2023-25 www.indiatodayhindi.com

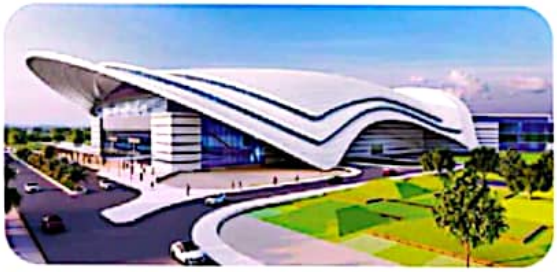

जैसे ... स्टोरेज यूनिट, खाद्य प्रसंस्करण केंद्र और ...उस स्थापित किए गए हैं। "मुख्यमंत्री ... योजना" के तहत, फल और ... को बाजार मूल्य में उतार-चढ़ाव ...निश्चितताओं के खिलाफ बीमा ...किया जाता है।

हरियाणा, भारत के शीर्ष पांच बाजरा उत्पादक राज्यों में से एक है, जहां वार्षिक उत्पादन 1.3 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित किए जाने के अनुरूप, हरियाणा ने विशेष प्रसंस्करण इकाइयां, समर्पित खरीद सुनिश्चित करने, बाजरा किसानों को उचित मूल्य दिलाने, बाजरा खेती को बढ़ावा देने और बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय मांग को पूरा करने के लिए निर्यात-उन्मुख बाजरा खेती को सुविधाजनक बनाने के लिए विशेष प्रयास किए हैं। **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम)-न्यूट्री अनाज के तहत, राज्य ने बाजरा (मोती बाजरा) के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए बीज, उर्वरक और सिंचाई तकनीकों पर सब्सिडी प्रदान की है।**

राज्य ने दलहन और तिलहन फसल प्रोत्साहन योजना शुरू की है, जिसके तहत सात जिलों नामतः — नूंह, भिवानी, चरखी दादरी, हिसार, झज्जर, महेंद्रगढ़ और **रेवाड़ी में एक लाख एकड़ क्षेत्र में दलहन और तिलहन की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। मूंग, अरहर, उड़द (दलहन) और अरंडी, मूंगफली, तिल (तिलहन) उगाने वाले किसानों को प्रति एकड़ ₹4,000 की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।**

औद्योगिक विकास और सामाजिक-आर्थिक प्रगति

हरियाणा औद्योगिक विकास का केंद्र बनकर उभरा है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। राज्य की औद्योगिक नीति निवेश को आकर्षित करने, नवाचार को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर पैदा करने पर केंद्रित है। **राज्य कई औद्योगिक कॉरिडोर का घर है, जिसमें दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर (डीएमआईसी) और कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस-वे शामिल हैं।** राज्य ने गुरुग्राम, फरीदाबाद और सोनीपत में विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) स्थापित किए हैं, जो उद्योगों को कर प्रोत्साहन और बुनियादी ढांचा सहायता प्रदान करते हैं। ये एसईजेड आईटी, ऑटोमोटिव और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता के केंद्र बन गए हैं।

हरियाणा ने लगातार भारत की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में शीर्ष राज्यों में स्थान बनाया है। राज्य सरकार ने व्यापार नियमों को सरल बनाने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए कई सुधार लागू किए हैं। व्यापार पंजीकरण, भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय मंजूरी के लिए ऑनलाइन पोर्टल ने प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया है।

प्रदेश में कुशल श्रम की बढ़ती मां... के लिए, प्रधानमंत्री कौशल ... (पीएमकेवीवाई) के तहत ... कार्यक्रम शुरू किए हैं। ये कार्य... सेवा और विनिर्माण जैसे क्षेत्र... व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने ...केंद्रित हैं। राज्य ने निजी कंपनियों के साथ भागीदारी करके कौशल विकास केंद्र स्थापित किए हैं, ताकि कार्यबल को नवीनतम उद्योग-प्रासंगिक कौशल से लैस किया जा सके।

हरियाणा में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को नीतिगत हस्तक्षेपों के माध्यम से महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है। **एमएसएमई क्लस्टर विकास कार्यक्रम के तहत, वस्त्र, कृषि प्रसंस्करण और फार्मास्यूटिकल्स के लिए 120 से अधिक औद्योगिक क्लस्टर स्थापित किए गए हैं। साथ ही, इस योजना के तहत 1,500 से अधिक स्टार्टअप्स को इनक्यूबेट किया गया है। इन्वेस्टर समिट 2023 के दौरान, राज्य ने ₹75,000 करोड़ से अधिक के नए निवेश को आकर्षित किया, जिससे हरियाणा की औद्योगिक नेतृत्व की स्थिति और मजबूत हुई है।**

हरियाणा शहद उत्पादन और डेयरी विकास के माध्यम से अपनी कृषि अर्थव्यवस्था को विविधता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। **कुरुक्षेत्र में ₹2.64 करोड़ की शहद व्यापार केंद्र स्थापित किया गया है। हरियाणा मधुमक्खी पालन नीति (2021) का लक्ष्य 2030 तक शहद उत्पादन को 4,500 मीट्रिक टन से बढ़ाकर 15,500 मीट्रिक टन करना है। मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के तहत, डेयरी किसानों को अप्रैल से सितंबर तक**

CS CamScanner

एएनआइ

गश्त पर सुरक्षाबल 17 मार्च को नागपुर में सुरक्षाबल के जवान गश्त करते हुए

म्हस्के भी कब्र को ढहाने की मांग में शरीक हो गए, तो शिवाजी महाराज के वंशज और भाजपा के सांसद उदयनराजे भोसले ने भी यही किया. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इस विचार का समर्थन किया, पर एक शर्त के साथ. उन्होंने कहा, ''कुछ चीजें कानूनी तरीके से करनी पड़ती हैं, क्योंकि यह संरक्षित (स्मारक) है.''

नागपुर में क्या हुआ?

नागपुर पुलिस ने 17 मार्च की हिंसा के लिए तीन पुलिस थानों में 1,200 लोगों के खिलाफ छह एफआइआर दर्ज की हैं. ोगों में माइनॉरिटीज डेमोक्रेटिक ष फहीम शमीम खान भी हैं, कथित मास्टरमाइंड बताया त तौर पर वीएचपी और क कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही एक भीड़ की अगुआई करते हुए उसे गणेशपेठ पुलिस स्टेशन ले गए. मुस्लिम धड़ों का आरोप है कि हिंदू दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं ने औरंगजेब के मकबरे का पुतला जलाया जो पाक चादर से ढका था. इसके बाद हुए दंगों में भीड़ उत्पात मचाते हुए सड़कों पर निकल पड़ी, पुलिसकर्मियों और नागरिकों पर हमले किए और वाहनों और सार्वजनिक संपत्तियों को नुक्सान पहुंचाया. इसमें तीन डिप्टी पुलिस कमिशनर (डीसीपी) सहित 33 लोग घायल हुए. कर्फ्यू लगा दिया गया. फडणवीस ने 18 मार्च को विधानसभा में कहा, ''(दंगे) कुछ लोगों की तरफ से पूर्व-नियोजित जान पड़ते हैं. उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.''

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इतना और जोड़ा, ''देशभक्त मुसलमान कभी औरंगजेब का समर्थन नहीं करेगा.''

विवाद में क्या कुछ और भी है?

यह विवाद ऐसे समय हुआ जब महाराष्ट्र में हिंदुत्व का बोलबाला बढ़ रहा है. 2023 में औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर कर दिया गया, साथ ही उस्मानाबाद का भी, जो अब धाराशिव है. बाद में अहमदनगर का भी नया नामकरण अहिल्यानगर कर दिया गया. इस सबको राज्य के मुस्लिम अतीत की निशानियों को मिटाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है. मुस्लिम नेता मध्ययुगीन हुक्मरानों की करतूतों के लिए उन्हें निशाना बनाने की कोशिशों की निंदा करते हैं. सुलझे और समझदार लोगों का कहना है कि कब्र को ढहाने की मांग गलत है और इस स्मारक को मराठाओं की वीरता के प्रतीक के रूप में देखना चाहिए, जिन्होंने औरंगजेब को दक्कन में रोके रखा और अंतत: मुगलों के पतन का सूत्रपात किया. मगर वे मानते हैं कि उसके प्रति श्रद्धा और सम्मान खासकर राज्य की पेचीदा सामाजिक हकीकतों को देखते हुए निश्चित रूप से दुखती रग को छेड़ देता है. *छावा* ने भी मराठा-ब्राह्मण दरारों को उघाड़कर रख दिया. मराठा धड़ों का आरोप है कि संभाजी के साले ने नहीं बल्कि उनके ब्राह्मण पेशकारों ने मुगलों की खातिर उन्हें धोखा दिया, जिसकी वजह से अंतत: उन्हें पकड़कर मार डाला गया.

महायुति में बेचैनी क्यों है?

भाजपा और शिवसेना के बीच अपनी हिंदुत्व की साख पर जोर देने की होड़ के चलते महायुति के तीसरे सहयोगी दल अजित पवार की अगुआई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में बेचैनी बढ़ गई है. एनसीपी के बड़े नेता ने *इंडिया टुडे* से कहा कि ऐसी हिंसा और सांप्रदायिक तनाव महाराष्ट्र के लिए शुभ संकेत नहीं है. उन्होंने कहा, ''उद्योगों को आकर्षित करने की एक पूर्वशर्त कानून का शासन है. इन टकरावों से संभावित निवेशकों के लिए राज्य का आकर्षण कम हो सकता है. इनमें नागपुर की महत्वाकांक्षी अंतरराष्ट्रीय कार्गो हब और हवाई अड्डा परियोजना में कारोबार स्थापित करने को उत्सुक निवेशक भी शामिल हैं.'' शिवसेना के एक पदाधिकारी ने माना कि कब्र को नेस्तोनाबूद करने की मांग करना ''चीजों को बहुत आगे ले जाना'' था. वहीं महायुति के एक और नेता को लगता है कि हिंदू एकजुटता ने हालांकि 288 में से अभूतपूर्व 237 सीटों के साथ सत्ता में आने में उनकी मदद की, लेकिन लंबे वक्त में ऐसे भावनात्मक मुद्दों के वांछित प्रतिफल नहीं भी मिल सकते हैं. ■

जम्मू-कश्मीर

शराब से परहेज की पुकार

कलीम जीलानी

बर्फ से ढके गुलमर्ग का नजारा है. मौका है द एली इंडिया फैशन शो का, जिसमें दिल्ली के डिजाइनर शिवन और नरेश के परिधान—टोपियां, पैंट सूट, स्कीवियर और हां बिकिनी भी—प्रस्तुत किए गए. मॉडल बर्फ से ढके रैम्प पर उतरे, तो दर्शक कुछ नीचे लगी कुर्सियों पर विराजमान थे. उनमें से कुछ जाहिरा तौर पर शराब पी रहे थे. मगर 7 मार्च को इस अनोखे शो के वीडियो और तस्वीरें क्या जारी हुईं, कश्मीर में सामूहि रोष का उबाल आ गया. कश्मी से नाराज थे कि ऐसा ''अपम अभद्र'' कार्यक्रम मुस्लिम बहु स्थानीय संवेदनाओं को नजरअं रमजान के पाक महीने में आयोजित किया गया. ठेठ शीर्ष से स्तब्ध अस्वीकृति के स्वर सामने आए, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कैफियत देते हुए विधानसभा में कहा, ''यह निजी पार्टी थी, जिसने निजी होटल में निजी तौर पर इसका आयोजन किया और निमंत्रण पत्र भी निजी तौर पर बांटे. सरकार से कोई मंजूरी नहीं ली गई, न ही... कोई सरकारी अफसर शामिल था.'' आयोजन नेडस होटल में हुआ, जिसके मालिक उमर के रिश्तेदार हैं. श्रीनगर की एक अदालत ने आयोजकों को पेशी के लिए तलब किया है.

हंगामे ने जेऐंडके में शराब पर पाबंदी

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सीएम उमर अब्दुल्ला ने जोर देकर कहा कि फैशन शो से सरकार का कोई लेना-देना नहीं है

CamScanner